भारतीय आयुद्ध निर्माणी सेवा के 2014 (II) बैच और 2015 ((I एवं II)) बैचों के परिवीक्षाधीनों को भारत का राष्ट्रपति का उद्बोधन

राष्ट्रपति भवन : 14.04.2016

मैं आप सभी का राष्ट्रपति भवन में स्वागत करता हूं।

सबसे पहले मैं अखिल भारतीय स्तर की कठिन प्रतिस्पर्द्धात्मक इंजीनियरी सेवा और सिविल सेवा परीक्षाओं, जो आपकी शैक्षिक श्रेष्ठता, परिश्रम और लगन को दर्शाती है, में सफलता के लिए आपको बधाई देता हूं। आप एक दीर्घ सेवा जीवनवृत्त में प्रवेश कर रहे हैं। इस जीवनवृत्त के शुभारंभ पर आपको मेरी शुभकामनाएं। मैं आपके प्रयास के सफल होने की कामना करता हूं। मुझे ज्ञात है कि आप सभी एक वर्षीय शैक्षिक प्रशिक्षण पूरा करने जा रहे हैं जिसमें सैन्य तैनाती तथा संसद यात्रा और संसदीय अध्ययन ब्यूरो के साथ बातचीत सहित अनेक तकनीकी प्रशासनिक और क्षेत्र मॉड्यूल शामिल हैं।

अपने उपमहाद्वीप में हमें अत्यधिक आर्थिक और वित्तीय मंदी के दौरान विश्व के समक्ष एक उम्मीद बनने का ऐतिहासिक अवसर मिला है। इस देश का भविष्य उज्ज्वल है क्योंकि यह विश्व की एक सबसे सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनने जा रही है। विश्व भर में आर्थिक मंदी के बावजूद हमने पिछले वित्त वर्ष में सबसे अधिक सकल घरेलू उत्पाद विकास दर हासिल की है। हमें अस्त्र प्रणाली और शस्त्रीकरण में भी आत्मनिर्भर बनना चाहिए ताकि हम अपने सपनों का एक सुरक्षित, संरक्षित और प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण कर सकें। आइए राष्ट्र के चिरकालीन मूल्यों के माध्यम से परिश्रम, ईमानदारी और नवान्वेषण के द्वारा इस राष्ट्र का निर्माण करें।

सिविल सेवक, तकनीकीविद्, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और विचारक के रूप में हमें जिस राष्ट्र का निर्माण करना है वह ऐसा भारत होना चाहिए जो अपने सभी नागरिकों के लिए एक सम्मानजनक और संतुष्टिपूर्ण जीवन सुनिश्चित करे। इसे एक स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, डिजीटल रूप से सशक्त भारत, शिक्षित और कुशल भारत तथा एक सहनशील सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण भारत बनना है जहां अंतिम व्यक्ति देश की गाथा का एक हिस्सा समझे। मेरी सरकार इस संबंध में बहुत सी पहल कर रही है।

भारत में निर्माण अभियान से कारोबार करने की आसानी तथा घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाकर विनिर्माण तेज होगा। स्टार्ट-अप भारत कार्यक्रम नवान्वेषण को बढ़ावा देगा तथा नए युग की उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करेगा। राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन में 2022 तक 300 मिलियन युवाओं को कुशल बनाने की परिकल्पना की गई है। मुझे विश्वास है कि आयुद्ध निर्माणियों की इन सभी पहलों में भूमिका निभानी है। इन सभी में, आप सभी को एक सार्थक भूमिका निभानी होगी।

रक्षा प्रापण कार्यप्रणाली को स्वदेशी रूप से अभिकल्पित, विकसित और विनिर्माणअस्त्र प्रणालियों और आधारों की पर बल देकर सुचारू किया गया है। रक्षा उत्पादन नीति, 49 प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश सीमा को बढ़ाने से भारत में निर्माण अवधारणा से बदल गई है। देश की रक्षा तैयारी में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में निजी सरोकारों को प्रोत्साहित किया गया है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रहे हैं कि हमारी सशस्त्र सेनाओं को विश्व के

सबसे सक्षम और परिष्कृत शस्त्रीकरण से सुसज्जित किया गया है। आयुद्ध निर्माणियों को इन पहलों में बढ़त बनानी चाहिए।

मुझे जानकर प्रसन्नता हुई है कि भारतीय आयुध निर्माणी संगठन ने रक्षा मंत्री द्वारा निर्धारित रुपये 13500 करोड़ के लक्ष्य की तुलना में 2015-16 में रुपये 14132 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक टर्नओवर प्राप्त किया है। बधाई। मेरा विश्वास है कि भारतीय आयुद्ध निर्माणियां 2018 तक रुपये 20,000 करोड़ का निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लेंगी।

मुझे जानकर खुशी हुई है कि भारत में निर्माण आयुद्ध निर्माणियां बोर्ड द्वारा पूरी भावना के साथ चलाया जा रहा है। आयुद्ध निर्माणियां बोर्ड ने स्वदेशी रूप से सामरिक रूप से महत्वपूर्ण धनुष 155 एमएम×45 कैलिबर आर्टिलरी गन सिस्टम विकसित किया है। इसकी मैदानी इलाके में 38 किलोमीटर की प्रभावी सीमा है और इसमें उन्नत दिन और रात्रि सीधी गोलाबारी प्रणाली है। आयुद्ध निर्माणियां बोर्ड 155 एमएम×52 कैलिबर आर्टिलरी गन के फायरिंग परीक्षण में भी सफल हुआ है तथा अगली पीढ़ी के आर्टिलरी प्लेटफॉर्म आरंभ करने में पूर्णत: सक्षम है। आयुद्ध निर्माणी बोर्ड, वास्तव में 155×52 कैलिबर गन प्रणालियों में राष्ट्र को आत्मनिर्भर बना सकता है।

मुझे यह जानकर भी प्रसन्नता हुई है कि आयुद्ध निर्माणी बोर्ड ने अनेक नए उत्पाद सफलतापूर्वक विकसित किए हैं जिनमें पिनाका मल्टीबैरल रॉकेट लॉन्चर प्रणाली, 5.56 एमएम संशोधित असाल्ट राइफल तथा 40 एमएम पूर्ण-खंडित युद्धक विमान रोधी आयुद्ध सामग्री प्रमुख रूप से शामिल है। आयुद्ध निर्माणी बोर्ड को भारतीय

वायुसेना के लिए कम खतरा क्षेत्र बम भी विकसित किए हैं। नौसेना के लिए आयुद्ध निर्माणी बोर्ड ने आरजीबी-12 और आरजीबी-60 रॉकेट को स्वदेशी रूप से तैयार किया है। आयुद्ध निर्माणी बोर्ड के स्मर्च रॉकेट, पिनाका एमके 2 तथा विविध शीर्ष युक्त 84 एमएम कार्ल गुस्ताव टैंक रोधी रिकॉयललैस राइफल का नवीनतम रूप विकसित और निर्मित करने की योजनाएं है।

मैं आप सभी से कहना चाहूंगा कि आपके पास अपने ज्ञान को बढ़ाने, अपने कौशल को निखारने तथा विभिन्न अनुभव अर्जित करने के लिए एक आदर्श कार्यस्थल है। इसके बावजूद आपको इस सच्चाई से गर्व और संतोष प्राप्त होगा कि आप ना केवल श्रेष्ठ हथियार और आयुध सामग्री निर्मित करते हैं बल्कि देश की सशस्त्र सेनाओं को मजबूत बना रहे हैं तथा इससे राष्ट्रीय सुरक्षा तैयारियों में भी योगदान दे रहे हैं। यद्यपि अपने प्रबंधकीय और तकनीकी कौशल को आजमाते समय यह कभी ना भूलें कि प्रत्येक नाकाम गोली या हथियार से उस सैनिक का जीवन खतरे में पड़ जाता है जो इस महान राष्ट्र की सुरक्षा और एकता के लिए अपना कर्तव्य निभा रहा है। यह केवल हथियार और युद्ध सामग्री निर्मित करना ही नहीं है बल्कि समय पर सुपुर्दगी सुनिश्चित करते हुए तथा हमारी सशस्त्र सेनाओं, अर्धसैनिक बलों और पुलिस बलों के हाथ मजबूत बनाते हुए बेहतर उत्पाद प्रदान करना भी है।

वर्तमान में निरंतर बदलते वातावरण में, आयुद्ध निर्माणी बोर्ड को समय के साथ प्रतिस्पर्द्धात्मक और प्रासंगिक होने के लिए स्वयं का नवप्रवर्तन करना होगा। आयुद्ध निर्माणी बोर्ड ने अपने समक्ष वर्तमान चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं इसलिए

आप युवाधिकारियों को महान चुनौतियों से सामना करवाया जाता है और मुझे विश्वास है कि आप परिवीक्षा प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी और प्रबंधकीय योगदान से युक्त प्रतिभावान शैक्षिक जीवनवृत्त के द्वारा इन चुनौतियों को पूरा करने में सक्षम हैं।

कल आपका है। राष्ट्रीय लक्ष्यों के प्रति आपकी निष्ठा हमारे भावी विकास की दिशा को तय करेगी। अपने सपनों को पूरा करने की यात्रा आरंभ करने के लिए जब आप तैयार हो रहे हैं तो मैं राष्ट्र निर्माण की अपनी छोटी सी जांच सूची आपको बताना चाहूंगा।

हम राष्ट्र निर्माण के लिए काम करते हैं यदि:

- हम उपभोग से ज्यादा उत्पादन करते हैं;

- हम लेने से ज्यादा देते हैं;

- हम आराम करने से ज्यादा काम करते हैं; और

- हम बात करने से ज्यादा सोचते हैं।

आपको यह जांच सूची उपयोगी लगेगी।

मैं एक उज्ज्वल भविष्य के लिए आपको शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि आप एक ऐसे समावेशी भारत के निर्माण में योगदान करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे जहां इस महान देश के हर एक नागरिक को अपने जीवन के प्रत्येक पहलू में संतुष्टि प्राप्त होगी।

धन्यवाद।